आज का सुविचार

सफलता तभी मिलती है, जब आप खुद में विश्वास करते हैं।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 73 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 27 जून 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

रजिस्ट्री क्या है और इसका क्या महत्व है जानिए संपूर्ण प्रक्रिया

रजिस्ट्री एक कानूनी प्रक्रिया है जिसमें किसी संपत्ति का स्वामित्व एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को हस्तांतरित किया जाता है। यह भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत नियंत्रित होती है और संपत्ति के नए मालिक को कानूनी अधिकार प्रदान करती है।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

रजिस्ट्री के प्रकार

रजिस्ट्री मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती है-

- बिक्री विलेख- यह सबसे आम प्रकार की रजिस्ट्री है, जो जमीन के खरीदार और विक्रेता के बीच लेनदेन को दर्शाती है। इसमें जमीन का विवरण, खरीद मूल्य, भुगतान की शर्तें और जमीन के मालिक की जानकारी शामिल होती है।
- दानपत्र- यह रजिस्ट्री तब की जाती है जब कोई व्यक्ति अपने जमीन को किसी रिश्तेदार या अन्य व्यक्ति को जमीन उपहार में देता है। इसमें दानकर्ता, प्राप्तकर्ता, जमीन का विवरण और उपहार देने की शर्तें शामिल होती हैं।
- विनिमय विलेख- यह रजिस्ट्री तब की जाती है जब दो या दो से अधिक लोग अपनी जमीन का एक दूसरे के साथ आदान-प्रदान करते हैं। इसमें प्रत्येक जमीन का विवरण, मूल्य की जानकारी शामिल होती है।

रजिस्ट्री के लिए आवश्यक दस्तावेज

रजिस्ट्री के लिए निम्नलिखित दस्तावेज आवश्यक हैं ख-

- पहचान प्रमाण
- बिक्री विलेख
- संपत्ति दस्तावेज
- NOC (नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट)
- फोटोग्राफ
- स्टांप पेपर
- पावर ऑफ अटॉर्नी

रजिस्ट्री का महत्व

रजिस्ट्री संपत्ति के स्वामित्व को कानूनी मान्यता प्रदान करती है और भविष्य में होने वाले विवादों से बचाव करती है। यह संपत्ति के नए मालिक को कानूनी अधिकार प्रदान करती है और सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज की जाती है।

वर्षाकाल से जुड़ी दिक्कतों का समाधान तत्परता पूर्वक करें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वीडियो कॉन्फ्रेंस से कलेक्टर्स सहित वरिष्ठ अधिकारियों को दिए निर्देशं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले दो माह के प्रमुख त्यौहारों पर धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नागरिकों के हित में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशील और सजग होकर दायित्व पूरा करें। वर्षाकाल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए। किसानों के लिए खाद और बीज की समुचित व्यवस्था रहे। नए शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को समत्व भवन,मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों ,क्लेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से चर्चा कर रहे थे।

नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता हो: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि इस माह 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। वर्षाकाल में आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्रदेश में एक से 26 जून तक हुई वर्षा 37 प्रतिशत अधिक है। अलीराजपुर और नीमच जिलों में सर्वाधिक वर्षा हुई है।

अधिक वर्षा के अनुमान को देखते हुए रपटे और पुल आदि जहां पानी ऊपर से बह रहा है वहां बेरीकेड्स लगाए जाएं। नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वर्षाकाल में नाले और नालियां समस्या बन रहे हों तो तत्परतापूर्वक समाधान का कार्य किया जाए। बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में मुनादी, वाट्सएप, दूरभाष आदि का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुंचाई जाए। इस संबंध में संवेदनशील होकर समय पर सभी दायित्व अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरे किए जाएं। अतिवृष्टि से नागरिकों के बचाव के लिए होमगार्ड और अन्य आपदा राहत दल सक्रिय रहें। जिलों में बोट्स की भी आवश्यक व्यवस्था रहे।

सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वर्तमान में सर्पदंश से नागरिकों को बचाने की जो व्यवस्थाएं हैं, उनका विस्तार करते हुए पंचायतों और थानों के स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। सर्पदंश से बचाव और उपचार का प्रशिक्षण देने की प्रदेश में शुरूआत हुई है, जो सराहनीय है। इस कार्य को निरंतर किया जाए। संभव हो तो कालबेलिया समुदाय के युवाओं को भी इस कार्य में अधिक दक्ष बनाकर उनकी सेवाएं ली जाएं।

आपातकाल लगाना संविधान की हत्या थी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल लागू करना तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा संविधान की हत्या थी। आपातकाल लागू करने के संबंध में न केंद्रीय कैबिनेट ने स्वीकृति दी थी न ही राज्यों की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव दिया गया था। जिम्मेदार लोगों ने ही संविधान का पालन नहीं किया। अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया।

भोजपुर विधायक श्री पटवा ने गौहरगंज में संयुक्त तहसील भवन का किया भूमिपूजन

रायसेन। भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा द्वारा भोजपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गौहरगंज में 9 करोड़ 5 लाख रू से अधिक की लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील भवन का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस भवन के निर्माण से प्रशासनिक कार्यों में सुविधा बढ़ेगी और आम जनता को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। यह संयुक्त तहसील भवन क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों को राजस्व और अन्य प्रशासनिक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी।

गर्भवती महिला को उसकी अनुमति के बगैर नोकरी से नहीं निकला जा सकता है जानिए

गर्भवती महिला को उसकी अनुमति के बगैर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता है, यह एक महत्वपूर्ण अधिकार है जो मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 द्वारा प्रदान किया गया है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं-

गर्भवती महिला के अधिकार

1. नौकरी की सुरक्षा- गर्भवती महिला को नौकरी से नहीं निकाला जा सकता है, जब तक कि कंपनी के पास इसके लिए वैध कारण न हो।
2. अनुमति की आवश्यकता- गर्भवती महिला को नौकरी से निकालने से पहले उसकी अनुमति लेना आवश्यक है।
3. मैटरनिटी बेनिफिट- गर्भवती महिला को मैटरनिटी बेनिफिट के रूप में पूरी तनख्वाह दी जाती है।

नियोक्ता की जिम्मेदारी:

1. **अधिनियम का पालन**- नियोक्ता को मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 का पालन करना अनिवार्य है।
2. **गर्भवती महिला के अधिकारों का सम्मान**- नियोक्ता को गर्भवती महिला के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें नौकरी से नहीं निकालना चाहिए।

निष्कर्ष:

गर्भवती महिला को उसकी अनुमति के बगैर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता है, यह एक महत्वपूर्ण अधिकार है जो मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 द्वारा प्रदान किया गया है। नियोक्ता को इस अधिनियम का पालन करना अनिवार्य है और गर्भवती महिला के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

गोवा में एक यात्री नाव समुद्र में पलटने से चौसंठ लोग लापता हो गए, सोशल मीडिया पर झूठे दावे के साथ वीडियो वायरल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने हाल ही में एक वीडियो साझा किया जिसमें कथित तौर पर यात्रियों से भरी एक नाव को एक झील में पलटते हुए दिखाया गया था, हाल ही में सोशल मीडिया पर इस दावे के साथ वायरल किया गया। कि यह घटना भारत में हुई थी। यूजर ने पोस्ट किया कि यात्री नाव गोवा के पास समुद्र में पलट गई थी, जिसमें 64 लोग लापता हो गए थे। हालांकि, वीडियो की जांच की गई और दावे को गलत पाया गया। वीडियो में वास्तव में अक्टूबर 2024 में पूर्वी लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के किवु झील में हुई एक घटना को दर्शाया गया है, जहां एक भीड़भाड़ वाली नौका पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप 78 लोगों की मौत हो गई। दर्शकों को गलत जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया पर एक पुराना और असंबंधित वीडियो भ्रामक रूप से साझा किया गया था।

एक इंस्टाग्राम यूजर ने 14 जून को एक कथित वीडियो साझा किया, जिसमें झील में एक यात्रियों से भरी हुई वाली नाव को पलटते हुए दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले ने दावा किया कि वीडियो में गोवा में हुई एक घटना को दर्शाया गया है, जहां एक यात्री नाव समुद्र में पलट गई, जिससे 64 लोग लापता हो गए।यहाँ है लिंक और पुरालेख एक स्क्रीनशॉट के साथ, पोस्ट के लिए लिंक। जब तक वायरल वीडियो की सच्चाई सामने प्रकाश में आई, तब वीडियो को 92,449 लाइक्स मिल चुके थे। वायरल वीडियो को इनविड टूल के माध्यम से चलाया और कई कीफ्रेम निकाले। गूगल लेंस खोज में इनमें से एक कीफ़्रेम का उपयोग करते हुए, कई सोशल मीडिया खाते समान दावों के साथ एक ही वीडियो साझा करते हुए मिले। गूगल रिवर्स इमेज सर्च ने डेस्क को 4 अक्टूबर, 2024 को समाचार पोर्टल फ़र्स्टपोस्ट के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो तक भी पहुंचाया। पाया गया कि यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में एक नाव के पलटने के दृश्य शामिल हैं, जो वायरल पोस्ट में देखी गई घटना से बिल्कुल मिलते जुलते हैं। हालाँकि, वीडियो के साथ दिए गए विवरण से कांगो झील किवु में हुई घटना का पता चला।

वीडियो के शीर्षक में लिखा है, डीआर कांगो की किवु झील में नाव पलटने के बाद 78 मृत 7 फ़र्स्टपोस्ट अफ़्रीका। जांच के अगले भाग में, उपरोक्त निष्कर्षों से संकेत लेते हुए, डीआर कांगो की किवु झील में हुई घटना से संबंधित अधिक विवरण खोजने के लिए गूगल पर एक अनुकूलित कीवर्ड खोज की।खोज परिणाम के कारण डेस्क को 3 अक्टूबर, 2024 को अल जज़ीरा की एक रिपोर्ट मिली, जिसमें कहा गया था कि नाव, जो दक्षिण किवु प्रांत के मिनोवा शहर से आई थी, तट पर अपने गंतव्य से केवल 100 मीटर (328 फीट) दूर डूब गई। रिपोर्ट में कहा गया है, घटना में कम से कम 78 लोग मारे गए हैं। इसके बाद, निष्कर्ष निकाला गया कि गोवा में कथित तौर पर हुई एक घटना के नाम पर डीआर कांगो से नाव पलटने की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर झूठा साझा किया गया था।

री-डिजाइन होगा भोपाल का नब्बे डिग्री मोड़ वाला रेलवे ब्रिज अपनी अजीब बनावट को लेकर हो रहा पुरे देश में वायरल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

आजकल पुरे देश में वायरल हो रहे भोपाल के ऐशबाग में बने नब्बे डिग्री मोड़ वाले रेलवे ओवरब्रिजवाला खतरनाक टर्निंग वाला हिस्सा फिर से बनाया जायेग।पी डब्ल्यू डी के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे के साथ मिलकर इस ब्रिज का पुनर्निर्माण किया जायेगा । अपनी अजीब टर्निंग को लेकर ये ब्रिज पुरे देश में सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है । जिसके कारण ये सुर्खियों में आ चुका है । इसकी अजीब डिजाइन सोशल मीडिया पर देखकर लोगों की अलग अलग प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं । हालांकि यह ब्रिज पूरी तरह से नहीं तोड़ा जायेगा बल्कि इसका केवल वही हिस्सा फिर से ठीक किया जायेगा जो की खतरनाक मोड़ है एवं जहाँ वाहनों के टकरा कर दुर्घटना ग्रस्त होने की काफी हद तक अधिक संभावना है । इसके अलावा सूत्रों से पता चला है कि इस ब्रिज की डिजाइन तैयार करने वालों पर भी कार्यवाही की जायेगी।

संभागायुक्त ने वृक्षारोपण कार्य की समीक्षा बैठक में सभी पार्कों का डिजिटाइजेशन करने के निर्देश दिए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल में कुल 241 पार्क हैं जिनमें से 157 पार्क नगर निगम, 12 पार्क सामाजिक वानिकी, 21 पार्क राजधानी परियोजना, 47 पार्क बीडीए तथा 4 पार्क उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाते हैं। संभागायुक्त संजीव सिंह ने इस बारिश में नगर में किए जा रहे वृक्षारोपण कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सभी पार्कों का डिजिटाइजेशन किया जाए जिससे उनकी पूरी जानकारी जीआईएस नक्शे पर प्रदर्शित हो। जानकारी में पार्क का वार्ड, जोन, खसरा नंबर, रकबा, पेड़ों की संख्या तथा केयर टेकर का नाम आदि प्रदर्शित होंगी संभागायुक्त ने सोमवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में वृक्षारोपण कार्य की समीक्षा की। बैठक मे बीडीए, सीपीए, उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि इस वर्षा ऋतु में नगर में अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए। वृक्षारोपण के साथ ही पौधों की देखभाल, बारिश के बाद सिंचाई, सुरक्षा के लिए फैसिंग आदि की पूरी व्यवस्था हो। रोपित किए जाने वाले पौधे पर्याप्त आकार एवं अच्छी गुणवत्ता के हों। वृक्षारोपण निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप किया जाए। नगर के सभी वार्डों में पर्याप्त हरित क्षेत्र विकसित किया जाए। जन सामान्य को भी वृक्षारोपण का महत्व बताया जाए तथा उन्हें एक पेड़ माँ के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में नगर निगम के समस्त पार्क में 3 लाख 14 हजार 490, सामाजिक वानिकी के अंतर्गत 2 लाख 96 हजार 588, भोपाल विकास प्राधिकरण के पार्क में 2 हजार 887 तथा उद्यानिकी विभाग के पार्क में 1250 वृक्ष हैं। जिन-जिन पार्क में फैसिंग नहीं है वहां फैसिंग कराई जाए। पार्कों की खसरे में प्रविष्टि के लिए संबंधित विभाग एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्यवाही करें।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत नौं हजार से अधिक बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित की गई द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी में 9 हजार 190 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निश्शुल्क प्रवेश प्राप्त हुआ है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने आरटीई के तहत निजी विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पंसद के स्कूल आवंटित नही हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों अनुसार द्वितीय चरण की लॉटरी हेतु अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन दिनांक 25 जून को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। इनमें से 5 हजार 128 बच्चे ऐसे हैं जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में प्रवेश

मिला है। इस अवसर पर संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने लॉटरी में चयनित बच्चों को उनकी पसंद का स्कूल आवंटित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेव्हलेपमेंट कॉरपोरेशन टीम की प्रशंसा भी की। इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 1 लाख 66 हज़ार 751 बच्चे पात्र हुए थे। जिनमें से 83 हजार 483 बच्चों को प्रथम चरण की ऑन लाइन लॉटरी में उनके द्वारा चयनित स्कूलों का आवंटन किया जा चुका है। आयोजित हुई द्वितीय चरण की लॉटरी में 9 हजार 190 और बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में प्रवेश आवंटन प्राप्त हुआ है। इस प्रकार इस वर्ष सत्र 2025-26 में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में निश्शुल्क प्रवेश आवंटन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 92 हजार 673 हो गई है। जिन बच्चों को इस ऑनलाइन लॉटरी में स्कूल का आवंटन हो रहा है, उन्हें उनके पंजीकृत मोबाईल नंबर पर एसएमएस माध्यम से भी सूचना दी जा रही है। बच्चे उनके आवंटित स्कूलों में 30 जून तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे। इन बच्चों की फीस सरकार द्वारा नियमानुसार सीधे स्कूल के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। इस ऑनलाइन लॉटरी में विभिन्न प्रायवेट स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 6 हजार 331, केजी-1 में 1 हज़ार 895 और कक्षा पहली में 964 बच्चों को निश्शुल्क प्रवेश हेतु सीटों का आवंटन हुआ है। इस अवसर पर राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक , नियंत्रक आरटीई और तकनीकी सहयोगी विभाग MPSEDC के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुदरी पंचायत में लगा था कचरों का अंबार, शहडोल जिला उपाध्यक्ष की कोशिश से चालू हुआ नाली सफाई का काम

कैलाश कुमार - युवा प्रदेश (सह संपादक)

शहडोल/जयसिंहनगर - ग्राम पंचायत कुदरी में लगातार ग्रामीणों की समस्याओं को नजर अंदाज किया जा रहा था अहिरवार समाज संघ के जिला उपाध्यक्ष अरूण के द्वारा भी पंचायत के सामने बात रखी गई थी की सभी वार्ड में नाली साफ सफाई का काम शुरू होना चाहिए जिला उपाध्यक्ष अरुण की कोशिशों के बाद नाली साफ सफाई काम चालू हो गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार कुदरी ग्राम पंचायत में 75 - 80 प्रतिशत अहिरवार समाज के लोगो की आबादी है उसके बाद भी पंचायत उन्हें मिलने वाले शासकीय योजनाओं का लाभ व मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रखता हैं ग्राम पंचायत कुदरी के अंदर में नही किसी तरह की भी सामुदायिक भवन नही है नही रंग मंच है और नही ग्रामीणों के लिए चबूतरा है ऐसा नही है पंचायत द्वारा ग्रामीणों को कुछ मिला नही है एक रंग मंच बना है वो भी ग्राम से 4 किलो मीटर दूर वही समुदायक भवन भी बना है जिसका इस्तेमाल ग्रामीण सिर्फ साल में एक दो बार कर पाते है ग्राम पंचायत के अंदर शौचालय की ब्यवस्था हैं पर वहाँ हमेशा ताला लगा रहता है उसे ग्रामीणों के लिए खोला ही नही जाता हैअहिरवार समाज संघ के शहडोल जिला उपाध्यक्ष अरुण से बात करने से ये भी जानकारी मिली कि ग्राम पंचायत कुदरी में किसी भी तरह का कार्यक्रम,विवाह,आदि करना हो तो वहाँ पानी टैंकर की ब्यवस्था मुश्किल से हो पाती है पंचायत के पास पानी टैंकर हैं पर उसकी स्थिति भी दयनीय है जिस पर पंचायत कोई ध्यान नही दे रही हैं।

अरुण अहिरवार - जिला उपाध्यक्ष(शहडोल)

पंचायत शौचालय

सामुदायिक भवन

रंगमंच

परासी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कमी से मरीजों की दिक्कतें बढ़ीं

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /परासी। परासी के शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में छह डॉक्टरों की पोस्टिंग होनी चाहिए लेकिन असल में सिर्फ एक ही डॉक्टर काम कर रहा है इस एक डॉक्टर को 24 घंटे ड्यूटी दी जा रही है जिसकी वजह से मरीजों को इलाज में बहुत परेशानी हो रही है यह हॉस्पिटल विकासखंड स्तर का है और आसपास के दर्जनों गांव के लोग यहां इलाज कराने आते हैं लेकिन डॉक्टरों की कमी के चलते उन्हें सही समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय अगर किसी को इमरजेंसी हुई तो डॉक्टर नहीं मिलते और उन्हें दूर के अस्पतालों में जाना पड़ता है एक मरीज ने बताया कि उसके बच्चे को तेज बुखार था लेकिन डॉक्टर देर से आए अगर ज्यादा डॉक्टर होते तो इलाज जल्दी मिलता स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही नए डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है ग्रामीणों ने मांग की है कि खाली पदों पर तुरंत डॉक्टरों की भर्ती की जाए और अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टरों की व्यवस्था की जाए ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

बिजुरीः रथयात्रा एवं मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न।

सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

बिजुरी। नगर में महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा और आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण शांति समिति बैठक का आयोजन थाना परिसर बिजुरी में किया गया। रथयात्रा से एक दिन पूर्व आयोजित इस बैठक में नगर में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और परंपरागत समरसता को बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर निरीक्षक विकास सिंह ने की। इस अवसर पर नगर के प्रबुद्धजन, समाजसेवी, व्यापारीगण, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण एवं पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में श्रीसिंह ने रथयात्रा की रूपरेखा, यात्रा मार्ग, निर्धारित समय, सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, सफाई व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी साझा की। उन्होंने उपस्थितजनों से पूर्ण सहयोग की अपील करते हुए कहा, रथयात्रा एक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक पर्व है। इसे शांतिपूर्ण, भव्य और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि या शांति भंग की स्थिति पर पुलिस प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करेगा। नगरवासियों से ऐसे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा नगर में सौहार्द, शांति और भव्य आयोजन के लिए मिलकर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक के अंत में नगर निरीक्षक ने सभी नागरिकों से आपसी भाईचारा, धार्मिक सहिष्णुता और नगर की सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान बनाए रखने की अपील करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। नगर में रथयात्रा को लेकर उत्सव का वातावरण है। श्रद्धालुओं और आयोजकों की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। प्रशासनिक सतर्कता और सामाजिक सहभागिता से इस वर्ष की रथयात्रा भी सफल, सुरक्षित और गरिमामयी रहने की पूरी संभावना है।

संविधान हत्या दिवस

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम के विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाना, व संविधान की मूल भावना की रक्षा,हेतु आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संवैधानिक संस्थाओं के प्रति विश्वास व्यक्त कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय में आज संविधान हत्या दिवस मनाया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम प्रभारी डा महेंद्र कुमार पटेल ने कार्यक्रम की रुपरेखा बतायी तथा बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक अधिकारों और आपातकाल की ऐतिहासिक घटनाओं से अवगत कराना जिससे समाज में जाकर आम जन को संवैधानिक मूल्यों की प्रति जागरूक कर सके। इसके पश्चात विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मौर्या ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकतंत्र को विश्लेषित करते हुए आपातकाल के प्रावधानों को समझाते हुए आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के हनन, प्रेस की आज़ादी पर अंकुश, और संविधान की आत्मा पर प्रहार की जानकारी दी गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया । अंत में सभी ने लोकतंत्र की रक्षा हेतु सावधानी, सजगता और सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम लोकतंत्र की रक्षा, नागरिकों में संवैधानिक जागरूकता और आपातकाल से सीख लेकर भविष्य में अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उपयोगी रहा। कार्यक्रम में डॉक्टर अभिषेक सिंह डॉ ओम शर्मा हरि प्रकाश मिश्रा एवं महाविद्यालय के एलएलबी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विभिन्न विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

खाने की तलाश में प्रत्येक दिन कई घरों को तोड़ रहे हाथी,10 दिनों से राजेंद्रग्राम इलाके में ठहरे चार हाथी

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। पिछले 10 दिनों से राजेंद्रग्राम इलाके में घूम रहे चार हाथियों का समूह खाने की तलाश को लेकर प्रत्येक रात के समय कई-कई घरों मे तोड़फोड़ कर निशाना बना रहे हैं जिससे ग्रामीण जन अत्यंत परेशान है वहीं जिला स्तर एवं प्रदेश स्तर पर निरंतर विचरण कर रहे हैं हाथियों को जिले से बाहर किए जाने की किसी भी तरह की योजना अब तक तैयार नहीं हो सकी है आज दसवें दिन चारों हाथियों का समूह वन परिक्षेत्र राजेंद्रग्राम एवं थाना करनपठार के तुलरा बीट में स्थित राजस्व के जंगल में दिन में ठहरे हुए हैं विदित है कि 14 जून की रात एक बार फिर से चार हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके की सीमा को पार करते हुए मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील क्षेत्र में विचरण करते हुए 17 जून की रात राजेंद्रग्राम इलाके में पहुंचकर निरंतर वितरण कर रहे हैं हाथियों का समूह मंगलवार को करनपठार बीट के क्योटार गांव से लगे जंगल में दिन में ठहरने बाद रात होने पर क्योंटार गांव के कोल्हिहाटोला निवासी भूखा सिंह,शिवचरण, रामचरन,कुंदन सिंह एवं सुंदर सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रख विभिन्न तरह के अनाजों को खाने हुए बुधवार को करनपठार बीट के बघाड़ी एवं तुलरा के बीच विश्राम करने बाद देर रात होने पर क्योटार,पिपरिया,कुसेरा,अतरिया,बहेरा टोला से करनपठार के बेलाटोला में रात को ओमप्रकाश सिंह,रोहन सिंह,अजय सिंह, सन्तोष सिंह,जय सिंह,रामलाल सिंह,लमिया सिंह एवं चरनलाल सिंह सहित आठ ग्रामीणों के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर अंदर रख विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया है इस बीच अचानक हाथियों के गांव एवं टोला,मोहल्ला में घुस आने पर ग्रामीण जन अपने परिवारों को लेकर इधर-उधर भाग कर,पक्के मकानो में ठहर कर,रात रात में जाग कर अपनी जान बचा रहे हैं हाथियों का समूह गुरुवार के दिन बेलाटोला,श्यामदुआरी से तुलरा बीट से लगे दुआहीघाट गाव के राजस्व के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे हैं जो रात समय होते ही किस तरफ पहुंचकर नुकसान पहुंचाएंगे यह रात होने पर ही पता चल सकेगा हाथियों के निरंतर विचरण पर वनविभाग का गस्ती दल ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क करते हुए हाथियों पर निगरानी रखा हुआ है लेकिन अब तक हाथियों को जिले से बाहर किए जाने की जिला एवं प्रदेश स्तर पर किसी भी तरह का ठोस निर्णय ना लिए जाने से ग्रामीण परेशान तथा भयभीत है ग्रामीणों ने जिले के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से जल्द ही ठोस उपाय किए जाने की अपील की है।

अवैध रूप से पैसों की वसूली की शिकायत के बाद आरक्षक जयप्रकाश ठाकरे और आरक्षक अनुराग गिरी तत्काल प्रभाव से निलंबित

आरक्षक जयप्रकाश ठाकरे

आरक्षक अनुराग गिरी

बालाघाट। मलाजखंड थाना में पदस्थ आरक्षक जयप्रकाश ठाकरे और अनुराग गिरी के द्वारा थाना क्षेत्र में धौंस बताकर एवं डरा धमकाकर अवैध रूप से पैसों की मांग एवं वसूली की शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी अनुसार, एसडीओपी बैहर द्वारा पत्र कमांक / एसडीओपी / बैहर/ए/298/25 दि0 23-06-2025 के माध्यम से पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को अवगत कराया गया है कि थाना मलाजखंड में पदस्थ आरक्षक जयप्रकाश ठाकरे एवं आरक्षक अनुराग गिरी के द्वारा थाना क्षेत्र के ग्रामीणों से पुलिस विभाग में होने का धौंस बताकर एवं डरा धमकाकर अवैध रूप से पैसों की मांग एवं वसूली की जा रही है तथा नहीं देने पर मारपीट करने की शिकायतें प्राप्त हो रही है तथा हाल ही में आवेदक संतोष कुमार धुर्वे निवासी टिंगीपुर थाना मलाजखंड द्वारा उक्त आरक्षकों के विरूद्ध ढाबे से खाने-पीने का सामान खरिदने एवं भुगतान नही करने संबंधी शिकायत दी गई है।

सीएम राइज विद्यालय के छात्र-छात्राएं कीचड़ भरे रास्ते से जूते चप्पल हाथ मे रखकर चलने को मजबूर भारी दिक्कत का करना पड़ता है सामना

अनूप गुप्ता ब्यूरो हेड

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक के सीएम राइज हायर सेकंडरी स्कूल, प्राथमिक विद्यालय और छात्रावास के विद्यार्थी कीचड़ भरे रास्ते से होकर आने-जाने को मजबूर हैं। कोहका पंचायत में बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। बच्चों को अपने जूते-चप्पल हाथ में लेकर नंगे पैर चलना पड़ता है। कीचड़ से उनकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है।

फिसलन के कारण कई बार बच्चे गिर जाते हैं और चोटिल हो जाते हैं। कुछ दिन तो वे स्कूल भी नहीं जा पाते। छात्रावास में रहने वाले बच्चों की परेशानी और भी ज्यादा है। जरूरी सामान खरीदने के लिए बाहर जाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। कीचड़ में फंसने से उनके बैग और किताबें भी खराब हो जाती हैं। ग्रामीणों और अभिभावकों ने कई बार पंचायत और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। सांसद और विधायक पास में ही रहते हैं। फिर भी इस मार्ग की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। कई बच्चों ने बारिश में स्कूल आना ही छोड़ दिया। प्रशासनिक उदासीनता के कारण उनका भविष्य दांव पर लगा है। सीएम राइज स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मिथिलेश परस्ते ने बताया कि इस स्कूल में 1000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। दो साल से स्कूल के सामने कीचड़ होने से छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस कैंपस में एक हॉस्टल भी है। वहां के बच्चे भी इस स्कूल में पढ़ते हैं, जिन्हें आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

पिछले वर्ष दिक्कत होने पर ठेकेदार ने रास्ता बनवा दिया था। इस वर्ष फिर से बारिश में छात्रों को दिक्कतें हो रही है। सीएम राइज स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मिथिलेश परस्ते ने बताया कि इस स्कूल में 1000 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। दो साल से स्कूल के सामने कीचड़ होने से छात्र-छात्राओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस कैंपस में एक हॉस्टल भी है। वहां के बच्चे भी इस स्कूल में पढ़ते हैं, जिन्हें आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्ष दिक्कत होने पर ठेकेदार ने रास्ता बनवा दिया था। इस वर्ष फिर से बारिश में छात्रों को दिक्कतें हो रही है।

करैत के ज़हर को मात दे गई मासूम! 97 घंटे वेंटिलेटर पर रहकर जीत ली ज़िंदगी की जंग

दीप्ति बाजपेई जगदलपुर बस्तर।

जगदलपुर। बीजापुर जिले के मद्देड तोयनार में एक 11 माह की मासूम बच्ची ने ज़िंदगी और मौत की जंग जीतकर सबको चौंका दिया। करैत साँप के डसने के बाद गंभीर हालत में अस्पताल लाई गई बच्ची अल्पना को मेकाज के चिकित्सकों ने 97 घंटे तक वेंटिलेटर पर रखकर नया जीवनदान दिया। परिवार के मुताबिक, 16 जून की रात अल्पना पर अचानक करैत साँप ने हमला किया। बच्ची के रोने की आवाज़ सुन परिजनों ने देखा कि हाथ की उंगली में साँप ने डंस लिया है। तुरंत बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उसे 17 जून को बेहतर इलाज के लिए मेकाज (जगदलपुर) रेफर किया गया। मेकाज के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुरूप साहू ने बताया कि बच्ची जब अस्पताल लाई गई, तब वह पूरी तरह बेहोश थी और हालत बेहद नाजुक थी। तुरंत उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। चार दिनों तक डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी और अथक प्रयास के बाद बच्ची को नया जीवन मिला। इस कठिन घड़ी में डॉक्टर डी.आर. मंडावी, डॉ. तुषार, डॉ. उदित यादव, डॉ. सायली, डॉ. प्रियंका, डॉ. दिवाकर, डॉ. पवन, डॉ. अपूर्व और नर्सिंग टीम ने रात-दिन मेहनत की।

सर्पदंश को हल्के में न लें: डॉक्टरों की अपील

डॉक्टरों ने आमजन से अपील की है कि सर्पदंश की घटनाओं में कोई भी लापरवाही न बरतें। तत्काल मरीज को नजदीकी पीएचसी, सीएचसी या जिला अस्पताल ले जाएं। समय पर मिला इलाज जीवन बचा सकता है।

बस्तर की बेटी पंक्ति बेदरकर ने रचा इतिहास, बनीं किड्स सेंट्रल इंडिया 2025

दीप्ति बाजपेई जगदलपुर बस्तर

जगदलपुर -बस्तर की प्रतिभावान बेटी पंक्ति बेदरकर ने फैशन और मॉडलिंग की चमकती दुनिया में बस्तर का परचम लहराते हुए किड्स सेंट्रल इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। ट्रिप्स प्रोडक्शन द्वारा आयोजित सेंट्रल इंडिया फैशन मॉडल कॉन्टेस्ट - सीज़न 3 के किड्स कैटेगरी में उन्होंने सैकड़ों प्रतिभागियों के बीच अपनी खास पहचान बनाते हुए यह मुकाम हासिल किया। प्रतियोगिता का भव्य ग्रैंड फिनाले रायपुर के जोरा स्थित सिब्बल ग्रीन में सम्पन्न हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बच्चों ने भाग लिया। इस मंच पर बस्तर से पहली बार किसी प्रतिभागी ने किड्स कैटेगरी में खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है।

महज 13 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पंक्ति वर्तमान में हम एकेडमी में कक्षा 9वीं की छात्रा हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वह बचपन से ही डांस, एक्टिंग और मॉडलिंग में गहरी रुचि रखती हैं।

14 जून को रायपुर में आयोजित ऑडिशन में मिसेज इंडिया 2019-20 रीना एक्का ने पंक्ति का चयन किया था, और उनके मार्गदर्शन में पंक्ति ने अपने हुनर को और निखारा। इस सफलता का श्रेय पंक्ति ने अपनी माँ तरुणा बेदरकर को दिया, जो आम आदमी पार्टी की प्रदेश सचिव होने के साथ-साथ एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं।

पंक्ति ने अपनी ग्रूमिंग मेंटर रीना एक्का, डांस टीचर संजना ठाकुर और , अपनी माँ तरुणा साबे, स्कूल शिक्षकों और मित्रों का भी विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने हर कदम पर उन्हें सहयोग और हौसला दिया। पंक्ति की यह ऐतिहासिक उपलब्धि बस्तर ही नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। यह जीत इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी सीमित क्षेत्र की मोहताज नहीं होती — वह जहाँ भी होती है, चमक उठती है।

वो सिर्फ बॉडीबिल्डर नहीं, बस्तर की शान है

खुशबू नाग: जिसने लोहे को उठाने से पहले समाज की जंजीरें तोड़ीं।

दीप्ति बाजपेयी . बस्तर

नारायणपुर-छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जैसे दूरस्थ आदिवासी अंचल से निकलकर अंतरराष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग मंच तक पहुँचने वाली खुशबू नाग आज सिर्फ एक एथलीट नहीं, बल्कि पूरे बस्तर की बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। हाल ही में इन्होंने NPC World2ide Bod4building Championship में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर न केवल प्रदेश बल्कि देश का भी नाम रोशन किया है। और उनकी शिक्षा की बात करे तो उन्होंने प्राइमरी तक की शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई उसके बाद सरस्वती शिशु मंदिर में 12वी तक पढ़ाई की और ग्रेजुएशन(बीएससी)स्वामी आत्मानंद कालेज नारायणपुर से इसी साल किया है इस साल एम.एस. सी. कर रही है उनसे खास बातचीत के कुछ अंश जो सपने देखने वालों को अपने अपने सपने साकार करने के हौसले देते हैं

संवाददाता. नारायणपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र से आकर आप अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचीं—इस सफर की शुरुआत कैसे हुई?

खुशबुनाग -. साल 2019 में मेरी मां का देहांत हो गया कैंसर से उसके बाद मैं मानसिक तनाव से निकलने के लिए मेरे बड़े भाई के कहने पर जिम जाना शुरू की थी तब मुझे पता नहीं था कि मैं इतने बड़े मंच तक पहुंचूंगी साल 2022 से मै पावरलिफ्टिंग खेल रही हूं

संवाददाता. क्या कभी ऐसा लगा कि बॉडीबिल्डिंग जैसे खेल में आपके लिए जगह नहीं है? उस समय आपने खुद को कैसे संभा

खुशबुनाग-बॉडीबिल्डिंग मे जेनेटिक भी महत्वपूर्ण होता है शुरुआत में सिर्फ पावरलिफ्टिंग ही करती थी साथ में फूल बॉडी वर्कआउट जिससे मेरी बॉडी की सीमेट्री अच्छी हो गई थी उसके बाद कोच के कहने पर मैने बॉडीबिल्डिंग की तैयारी शुरू की कई बार लगा इतने छोटे जगह में रहते हुए बॉडीबिल्डिंग कैसे हो पाएगा सामाजिक सोच की लोग क्या बोलेंगे जब मैं बिकिनी पहन कर मंच पर प्रदर्शन करूंगी मेरे करीबी जितने भी है सभी ने मुझे प्रोत्साहित किया मैने सोचा समाज का सोचूंगी तो कभी कुछ नहीं कर पाऊंगी

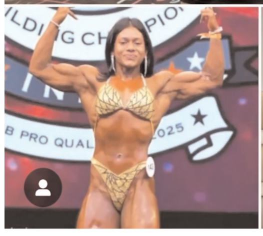

संवाददाता. आप एक अंदरूनी क्षेत्र से हैं—क्या संसाधनों की कमी या सामाजिक सोच ने कभी आपको रोकने की कोशिश की?

खुशबुनाग-नारायणपुर जैसे छोटे से जिले में रहकर बॉडीबिल्डिंग करना बिलकुल भी आसान नहीं है यहां संसाधन की बहुत कमी है शहर में जो चीज कुछ मिनटों में मिल जाती है वह नारायणपुर में आने में 7,8 दिन लग जाते है साथ ही बॉडीबिल्डिंग के लिए एडवांस डाइट लेना पड़ता है जो कि यह नहीं मिल पाता साथ ही सामाजिक सोच भी बहुत असर डालती है और लोग कहते है इससे शादी कौन करेगा मैं सुनती ही नहीं ऐसी बातों को इन बातों को मैं ध्यान नही देती अपने लक्ष्य पर मेरा ध्यान होता है

संवाददाता. जब आपको NPC वर्ल्ड वाइड में ब्रॉन्ज मेडल मिला, उस क्षण आपके मन में क्या चल रहा था?

खुशबुनाग-. मेरा लक्ष्य इससे ज्यादा था पर फिर भी मैं संतुष्ट थी अपने स्थान से क्योंकि पहली बार इतने बड़े मंच पर चढ़ना ही कई बॉडीबिल्डर का सपना होता हैं और मैं उस मंच से मेडल हासिल की कुछ गलतियां हुई मुझसे शायद मैं ओर अच्छा कर सकती थी पर जो भी हुआ मै संतुष्ट हु

संवाददाता. आपकी सफलता के पीछे कौन-कौन से चेहरे छिपे हैं जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगी?

खुशबुनाग-मेरी सफलता के पीछे कई चेहरे हैं चूंकि मै निम्न मध्यम वर्ग परिवार से आती हु ऐसे में बॉडीबिल्डर बनना बहुत कठिन है डाइट, सप्लीमेंट, जिम का खर्च बहुत ज्यादा होता हैं मै जिम ट्रैनर का काम करती हु 8000 की नौकरी से डाइट लेना सब चीज बहुत मुश्किल है। जिन्होंने मेरी मदद की है उनका मैं जीवन भर आभारी रहूंगी मेरे कोच विनीत यादव, सुमित इजरदार, ये दोनों मेरे रीढ़ की हड्डी है मै जो कुछ इन दोनों के वजह से हु। मेरा परिवार मेरे हर फैसले में मेरे साथ खड़ा रहा कभी कोई रोक टोक नहीं समाज जो भी बोले मेरे घर वालो ने हमेशा साथ दिया मैं पत्रकार रानू तिवारी को जितना धन्यवाद करूं उतना कम होगा उनकी वजह से बस्तर की एक प्रतिभा सामने आयी, साथ ही जायसवाल neco mines, नारायणपुर के ह्रश्च प्रभात कुमारा जी ने मेरी आर्थिक सहायता की जिनकी मैं सदैव आभारी रहूंगी

संवाददाता. गाँव-कस्बों की कई लड़कियाँ आज भी सपनों से डरती हैं—उन्हें आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

खुशबुनाग- जी हां गांव की होना किस्मत की बात है पर अपने सपने देखना और उन सपनों को पूरा करना हमारे हाथों में है जब मैं बड़े शहर जाती हूं मुझे खुद पर गर्व होता है कि मैं ऐसे जगह से निकलकर आई हूं जहां लड़कियां सपने देखने से डरती हैं लेकिन मैं उनके लिए ये ही कहना चाहती हु की सपने देखिये और उन सपनों को साकार करने के लिए जुट जाईये

संवाददाता- क्या आप सिर्फ एक खिलाड़ी रहना चाहेंगी या आने वाले समय में कोच या रोल मॉडल के रूप में भी आगे आना चाहेंगी?

खुशबुनाग- मैं खिलाड़ी के साथ ही एक फिटनेस कोच भी हु मुझे लोगों को ट्रेनिंग देना अच्छा लगता है बेशक मैं खिलाड़ी के साथ साथ एक अच्छी कोच भी बनना चाहूंगी

संवाददाता. NPC के बाद आपका अगला सपना क्या है? क्या मिस ओलंपिया जैसे मंच तक पहुँचने का इरादा है?

खुशबुनाग- मेरा सपना है प्रो कार्ड जीतकर मिस ओलिंपिया के लिए क्वालिफाई करूं और भारत को दुनिया के सबसे बड़े बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रस्तुत करूं

संवाददाता. आपकी दिन की दिनचर्या कैसी होती है? डाइट, वर्कआउट और मानसिक तैयारी में सबसे खास बात क्या है?

खुशबुनाग- मै सुबह 4:40 को उठती हु अपना मिल बनाती हु 5 बजे 5:30 बजे जिम पहुंच जाती हु 9बजे तक ट्रेनिंग देती हु उसके बाद अपना अभ्यास करती हु घर आकर थोड़ा बहुत घर का काम फिर अपना डाइट बनाती हु रेस्ट करती हु क्लाइंट्स का वर्कआउट प्लान बनाती हु शाम को 5 बजे फिर जिम जाती हु ट्रेनिंग देती हु 9 बजे घर वापस आकर अपना डाइट बनाती हु घर में बच्चे है उनके साथ समय बिताती हु

संवाददाता. अगर खुद को एक शब्द में परिभाषित करना हो तो खुशबू नाग क्या कहेंगी?

खुशबुनाग-एक शब्द में बयां करना कठिन है किंतु आत्मविश्वास, अनुशासन, सहनशील ये तीनों से मै हूँ।

हट्टा पुलिस ने किया अंधेकत्ल का पर्दाफाश,रतनारा निवासी पत्नी रेखा ने पति जय की फावड़े से मारकर कर

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। जिले के हट्टा थानांतर्गत ग्राम रतनारा में मानवता को शर्मसार करने वाली ह्रदयविदारक घटना घटित हुई।सात फेरे लेने वाली पत्नी ने ही अपने पति की फावड़े से मारकर नृशंस हत्या कर दी।दिनांक 19.06.2025 को 8.00 बजे थाना हट्टा के डायल 100 को ग्राम रतनारा से नंदकिशोर दमाहे द्वारा सूचना दी गई कि उसका भाई जयकिशोर दमाहे(मृतक)दिनांक18.06.2025 की रात लगभग 11.30 बजे शराब के नशे में अपनी पत्नी व बच्चों से मारपीट कर उन्हें घर से निकाल कर स्वयं को कमरे में बंद कर लिया है।दरवाजा बीते रात्रि से आज पूरे दिन तक बंद हैं और आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए हट्टा थाना पुलिस ग्राम रतनारा पहुंची।गांववालों की मदद से जयकिशोर के घर के पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर जब पुलिस अंदर पहुंची तो देखा गया कि जयकिशोर दमाहे जमीन पर बिस्तर बिछाकर कम्बल ओढ़े पड़ा था।जब कम्बल हटाया गया तो उसकी गर्दन के दाहिनी ओर धारदार हथियार से गंभीर चोट थी तथा बिस्तर पर अत्यधिक खून फैला हुआ था।घटनास्थल का निरीक्षण स्न्रस्रु डाग स्क्वाड व फिंगर प्रिंट यूनिट द्वारा किया गया।पुलिस द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 81/25 धारा 103(1),332() बीएनएस के तहत् मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात आरोपी द्वारा की गई हत्या का शीघ्र खुलासा कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए थे।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला, एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हट्टा उपनिरीक्षक अविनाश राठौर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।उक्त टीम द्वारा सघन विवेचना कर हत्या का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

छात्राओं ने चलाया नशे के विरुद्ध अभियान

मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर एन सी सी यूनिट अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज 10 यूपी बटालियन की छात्रा कैडेट्स ने विभिन्न कार्यक्रम द्वारा समाज को जागृत करने का अभियान चलाया। इस अवसर पर छात्राओं को इस दिवस का महत्व बताते हुए प्राचार्य डॉक्टर अनिल वाजपेयी ने कहा कि नशा किसी देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद कर देता है। नशे की लत देश समाज परिवार और व्यक्ति की सबसे बड़ी दुश्मन है। लेफ्टिनेंट डॉ मनोरमा कौशिक के नेतृत्व में छात्राओं ने नशा मुक्ति के ऊपर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर छात्राओं ने नशीली दवाइयां के सेवन के विरुद्ध समाज को जागृत करने की शपथ भी ली। 10 यूपी बटालियन के सीईओ कर्नल कुलदीप सिंह ने अपने संदेश में कैडेट्स के इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। छात्रा कैडेट्स ने सड़क पर चलते राहगीरों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के लिए जनसंपर्क, स्लोगन एवं नशा विरोधी नारे भी लगाए। कार्यक्रम का संयोजन कनिका अग्रवाल ने किया।

कबीर दास जी की क्रान्तिकारी पहचान को खत्म किया जा चुका है

कबीर जी ने किया पाखंड का विरोध। मानव के विकास में बनते यही अवरोध।

साथियों, सन 1398 के लगभग कांशी में कबीर दास जी का जन्म हुआ। जन्म का मतलब जैसे हम और आप माता-पिता के द्वारा प्राकृतिक रुप से जन्म लिए हैं ठीक वैसा ही जन्म कबीर दास जी का भी हुआ। यह सत्य है।

अब आश्चर्य की बात यह है कि जिस कबीर ने जीवन भर अवैज्ञानिक मान्यताओं, पाखंड, अंधविश्वास और किसी काल्पनिक अलौकिक शक्ति का पुरजोर विरोध किया। डंके की चोट पर धर्म के ठेकेदारों और धार्मिक चमत्कारों के मकड़जालों को तहस-नहस किया। आज उनके मरने के बाद उसी व्यक्ति को अलौकिक और चमत्कारिक बनाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। इसका सबसे पहला सबूत तो यह है कि कबीर दास जी के जन्म दिवस को प्रकाट्य दिवस के रुप में प्रचारित किया जा रहा है।

आप सभी जानते हैं कि हिन्दू मान्यताओं में प्रकट होने और अवतार होने की बात को विशेष ,असाधारण और अलौकिक माना जाता है जबकि जन्म लेने की सहज और प्राकृतिक प्रक्रिया को साधारण माना जाता है। कबीर दास जी आम आदमी की तरह प्राकृतिक रुप से मां के गर्भ से जन्म लिए थे। वे अलौकिक रूप से प्रकट या अवतरित नहीं हुए थे। अत: कबीर दास जी का जन्मदिवस मनाया जाना चाहिए, ना कि प्रकाट्य दिवस या अवतरण दिवस।

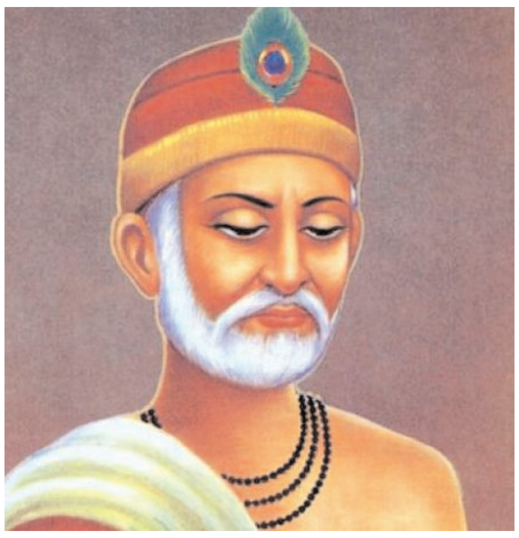

हमें कबीर दास जी की लौकिक समझ और भौतिक वादी वास्तविक जीवन दर्शन की मौलिकता के साथ किसी भी तरह से छेड़छाड़ नहीं करना चाहिए।कबीर को कबीर ही रहने दें। यही कबीर के प्रति हमारी सच्चा सम्मान होगा।

कबीर दास जी कहते हैं ---

पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार।
याते तो चाकी भली,पीस खाय संसार।

इसमें कबीर दास जी ने सीधे -सीधे मूर्ति पूजकों और उनकी संस्कृति को चुनौती दे दिया है।

उन्होंने मूर्ति पूजा का विरोध करके भारत की एक बहुत बड़ी मूर्ति पूजकों के धर्म को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है।यह छोटी -मोटी हिम्मत की बात नहीं है।

वे फिर लिखते हैं -----

पोथी पढ़ पढ़ जग मुआ पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।।

और आगे कहते हैं -----

माला फेरत जुग भया,फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डार के, मन का मनका फेर।

कबीर दास जी ने उक्त दोहों के माध्यम से भी एक धर्म विशेष के ढोंग की बखिया उधेड़ कर अपनी निर्भिकता को साबित करते हैं और लाखों लोगों को आत्म चिंतन के लिए विवश करते हैं। उन्होंने धार्मिक कर्मकांड के दिखावे को जबर्दस्त तरीके से लताड़ा है।

कबीर दास जी कहते हैं ----

कंकर पत्थर जोड़ के, मस्जिद लई बनाया।
मुल्ला अंदर बांग दे,
क्या बहरा हुआ खुदाया।।

इसमें तो दूसरे धर्म के लोगों की अवैज्ञानिक आचरणों पर भी सवाल दाग देते हैं। उस समय राजशाही व्यवस्था कायम थी फिर भी कबीर दास जी उनके धार्मिक विधानों और धार्मिक पाखंडों पर खुलकर सवाल दागते रहते थे। आश्चर्य की बात तो यह भी है कि उस समय के धार्मिक लोग कबीर दास जी के खिलाफ आज की तरह कोई धार्मिक विवाद या कोई हंगामा खड़ा नहीं करते थे।

कबीर दास जी ने अनेकों जगहों पर ब्राह्मणों को भी नाम लेकर लताड़ा है। आज की तारीख में हिन्दू समाज इतनी असहिष्णुता का प्रदर्शन कर रहा है कि थोड़ी -थोड़ी बात पर मरने-मारने पर उतावले हो जाते हैं।ये अंधभक्त धार्मिक समीक्षा को धर्म का अपमान समझकर उग्रता पर उतर जाते हैं।

आज के समय में जो लोग वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था, अंधविश्वास, पाखंड वाद , असमानता वाद और एकाधिकार वाद का समर्थन करते हैं और ऊंची जाति होने का दंभ भरते हैं वे लोग अपने धूर विरोधी कबीर को अपने पास सटाकर रखने का नाटक कर रहें जो कि हास्यास्पद और कबीर के सिद्धांतों के खिलाफ है।

जो लोग कबीर दास जी को अपना मानने का नाटक कर रहे हैं उनसे मेरा सहज सवाल है कि क्या वे कबीर दास जी के जाति विहीन,वर्ण विहीन और ऊंच-नीच विहीन, समतावादी मानव समाज बनाने के विचार से सहमत हैं कि नहीं?

यदि नहीं हैं तो उनको कबीर दास जी की जयंती मनाने का कोई अधिकार नहीं है। कबीर को अपना कहना महज एक ढोंग है। समानता वादी कबीर और असमानता के पक्षधर कभी एक मंच पर नहीं आ सकते। अगर ये दोनों विपरीत विचारधारा के लोग एक मंच पर आते हुए दिखाई देते हैं तो समझ लीजिए कि ये लोग मूल कबीर को खत्म करके कृत्रिम कबीर को सामने लाकर कबीर दास जी की क्रान्तिकारी पहचान को ही खत्म करने की साज़िश रची जा रही है।

हरीश पाण्डल बिलासपुर

जिंखर बबा हा ग्रंथ लिखे हे,
उंखरे नाती हा कथा सुनाहीं।
दुसर बरन के काम हे ऐके ,
दान के बदला कथा सुन पाहीं।।
सूद्र अगर कोनो ग्रंथ ला पढ़ही,
ओकर मुड़ ला मुड़ दे जाही।
सिर संभुक के काटे जाही,
बम्हनिन मूत छिंड़क दे जाही।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ0ग0)

भीम आर्मी की भोपाल समीक्षा बैठक

भोपाल। बोधगया मुक्ति आंदोलन को मजबूती और सामाजिक न्याय के लिए विधानसभा घेराव की तैयारी आज राजधानी भोपाल में, मध्यप्रदेश भीम आर्मी की समीक्षा बैठक एवं प्रदेश /संभाग/जिला पदाधिकारीयो से विशेष चर्चा कर बोधगया महाबोधि मुक्ति आंदोलन को मजबूत करने एवं 21 जुलाई राष्टीय अधिवेशन गया बिहार के लिए बिहार चलने एवं प्रदेश में बढ़ रहे किसान गरीब मजदूर एवं दलित/आदिवासी/पिछड़ा और मुस्लिम/अल्पसंख्यक उत्पीड़न मुद्दों पर भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष सुनील बैरसिया जी के नेतृत्व में चर्चा हुई। भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष विदिशा,भोपाल मुख्य प्रभारी गब्बर सिंह जी ने बैठक में कहा कि - यह समय सिर्फ विरोध का नहीं, निर्माण और नेतृत्व का है। बाबा साहब का संविधान आज हर मोर्चे पर ललकारा जा रहा है। हम एकजुट होकर शोषितों की आवाज़ बनेंगे और सत्ता के दरवाजे पर न्याय की दस्तक देंगे। बोधगया आंदोलन सिर्फ बौद्धों का नहीं, बल्कि हर उस शोषित की पहचान की लड़ाई है जिसे यह व्यवस्था गिनती में नहीं रखती। जल्द ही भोपाल में सामाजिक एवं आर्थिक पक्षपात के विरुद्ध आने वाले मानसून सत्र में विधानसभा घेराव किया जाएगा।

जिला अस्पताल के प्रसूती वार्ड में घुसा युवक,महिलाओ से की अभद्रता,सुरक्षा व्यवस्था फेल

- **अस्पताल प्रबंधन ने शुरुआत में इसे दबाने की कोशिश की,सिविल सर्जन ने कहा सुरक्षा एजेंसी को नोटिस जारी**
- **इतने सीसीटीवी कैमरों का लगने से क्या फायदा जब सुरक्षा कर्मचारी की यह लापरवाही होगी**

अनूप गुप्ता

शहडोल। जिला चिकित्सालय शहडोल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीती रात की घटना ने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया। करीब 12 बजे रात एक युवक बिना किसी रोक-टोक के प्रसूति वार्ड में दाखिल हो गया और महिला मरीजों को परेशान करने लगा। युवक महिला मरीजों और यहां तक कि एक नवजात बच्चे तक पहुंच गया था। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में युवक की गतिविधियां कैद हो गईं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने शुरुआत में इसे दबाने की कोशिश की। वार्ड में घुसे मरीजों के परिजनों ने युवक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह गाली-गलौज करते हुए भाग निकला। घटना की सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज की मदद से युवक की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी की पहचान ऋषि गुप्ता पिता श्रीकांत गुप्ता निवासी कल्याणपुर के रूप में हुई है। कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, मैं भोपाल में मीटिंग में थी। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, मैंने टीम को तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यदि सुरक्षा में लापरवाही पाई गई तो सुरक्षा एजेंसी को नोटिस जारी किया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है, इससे पहले भी जिला अस्पताल में छेड़छाड़, चोरी और मरीजों को परेशान करने की घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सुरक्षाकर्मी अंजान लोगों को कैसे बिना पूछताछ के वार्ड में घुसने दे रहे हैं।

हट्टा पुलिस ने दुष्कर्म के सभी 06 आरोपियों व 01 विधिविरुद्ध बालक को शनिवार को न्यायालय में किया पेश

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। पुलिस अधीक्षक नगेंद्रसिंह ने घटना की गंभीरता एवम् संवेदनशीलता के चलते त्वरित न्याय दिलाने हेतू अपराध को सनसनीखेज व जघन्य अपराध की श्रेणी में चिन्हित करते हुए तत्काल एक विवेचना टीम का गठन कर विवेचना फास्ट ट्रैक में पूर्ण करने हेतू निर्देश दिए। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बलात्कार की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई ।जिसकी जानकारी पुलिस को घटना के लगभग एक दिन बाद मिली ।पुलिस अधीक्षक ने इस सम्बंध में आमजन से अपील की है कि ऐसे जघन्य अपराधो की सूचना बिना किसी से डरे नि:संकोच तत्काल पुलिस को दे ।जिससे समय पर कार्रवाही की जा सके और अपराधियों को कानून के दायरे में लाया जा सके। 25 अप्रैल दिन शुक्रवार को 17 वर्षीय बालिका ने अन्य बालिकाओं व परिजनों के साथ हट्टा थाना में उपस्थित होकर उनके साथ घटित घटना के विषय में जानकारी दी गई ।पुलिस ने सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर अविलम्ब सभी दोषियों के विरुद्ध धारा 70(1),70(2),351(2)bns 5/6 posco act, SC/St act 3(1)(2i)3(2)(5),3(2)(5) क का अपराध पंजीबद्ध किया गया। 23 अप्रैल को शाम के वक्त 04 बालिकाएं (01 बालिग 03 नाबालिग) अपने चाचा के साथ 04 किलोमीटर दूर दूसरे गांव के शादी समारोह में सम्मिलित होने गई थी ।रात्रि लगभग 2 बजे सभी बालिकाएं चाचा के साथ अपने घर लौट रही थी तभी रास्ते में इसी शादी समारोह में शामिल 07 लड़के 02 मोटरसाइकल में आए जिनके द्वारा बालिकाओं के साथ जा रहे चाचा को डरा धमकाकर भगा दिया गया तथा बालिकाओं के साथ बलात्कार की घटना कारीत की ।सभी आरोपियों द्वारा पीड़ितों को घटना के विषय में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हट्टा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अविनाश सिंह राठौर के नेतृत्व में गठित विवेचना टीम द्वारा रिपोर्टिंग के मात्र 03 घण्टे उपरांत ही संभावित ठिकानों में दबिश देकर सभी 06 आरोपियों एवम 01विधिविरुद्ध बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)